



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पंजाब सरी

दिनांक
1-9-23

पृष्ठ संख्या
4

कॉलम
4-6

आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग : प्रो. काम्बोज

■ कहा - कृषि शिक्षा को
करियर के रूप में
अपनाएं विद्यार्थी

हिसार, 31 अगस्त (ब्यूरो) : किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवालने के लिए अपार संभावनाएँ हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे।

यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित



हड्डवि में आयोजित कृषि शिक्षा मेला में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

द्वारा खाद्य प्रसंस्करण कर अब व संबिधानों को खराब होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेखर को बचाना जैसे मुख्य मुद्दे शामिल हैं।

कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संसाहालय का भ्रमण भी कृतव्या गता, जिसमें उन्हें कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकें, नवाचार, उपकरणों के बारे में जाता या समा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जीत समाज	१-९-२३	५	१-५

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य संवारने के लिए अपार संभावनाएँ: प्रो. बी.आर. काम्बोज हृष्टि में स्कूली विद्यार्थियों के लिए कृषि शिक्षा मेला का आयोजन

हिसार, 31 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यालियि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्ष के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएँ हैं। वे विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभगढ़र में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यालियि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर



कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को गुलदस्ता भेट करते हुए।

चुनौतियाँ बहु रही हैं, जिनके निवारण

को बचाना जैसे मुख्य मुद्रे शामिल हैं। कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में सोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि हृष्टि प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार सारोग से ज़रूर किस्में विकसित करना, बायोफॉर्माइज़ किस्में करना, बायोफॉर्माइज़ किस्में एपी-विजनेस इक्युबेशन सेंटर के विकसित करना, कम जल में फसलों की अधिक पैदावार प्राप्त करना व उद्यमशीलता की देखिंग भी दे रहा है। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से आह्वान प्रसंस्करण कर अन्न व संजियों को किया कि वे कृषि विषय को अपने खराच होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में करियर के रूप में अपनाएँ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
१५ जानूरा

दिनांक
१-७-२३

पृष्ठ संख्या
२

कॉलम
१-४

आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग

जागरण संवाददाता, हिसार : किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रुचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाएं।

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएँ हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज। = पीआरओ

वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समानार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में बतौर



हृषि में आयोजित कृषि शिक्षा मेले में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज। = पीआरओ

मुख्यातिथि बोल रहे थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रो. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए १०वीं, ११वीं व १२वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा की

करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। उन्होंने बताया कि हृषि प्रदेश के किसानों से

जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एण्डो-विजनेस इन्ड्रोबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग भी दे रहा है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डा. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का प्रमण भी करवाया गया। स्नातकोत्तर विद्या के अधिष्ठाता व आइडीपी के प्रभारी डा. केडी रामा ने स्वागत किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुज ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन डा. भूपेंद्र ने किया। इस अवसर पर आइडीपी के नोडल अधिकारी डा. सोमबीर आदि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुभाषाचार पत्र का नाम
१०८ भास्त्र २०२२

दिनांक
१ - ९ - २३

पृष्ठ संख्या
२

कॉलम
१-३

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ संगठित और सहकारी क्षेत्र में भविष्य संवारने की संभावनाएं एचएयू में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में कुलपति ने रखे विचार

भास्त्र न्यूज़ | हिसार



मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कामबोज उपस्थित रहे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया। प्रो. बीआर कामबोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आगे 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को कैरियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। इसके साथ उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सामाजिक व अर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय

की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वच्छ सचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को कैरियर के रूप में अपनाएं। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपर संभावनाएं हैं।

बीसी. ने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है। जिसमें सभी मनुष्य को अब व पशुओं को चारे की

उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि हृषि प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-विजनेस इकायबोर्ड सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग भी दे रहा है। स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिकाराता व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केढ़ी शर्मा ने स्वागत किया व उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व फैलोशिप के बारे में जानकारियां दीं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

उभर ३ जाली

दिनांक
१ - ९ - २३

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
६४

एचएयू में विद्यार्थियों के लिए लगाया कृषि शिक्षा मेला कुलपति बोले-कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में अपार संभावनाएं माई स्टीटी रिपोर्टर

हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं सूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को कंरिअर के रूप में अपनाएं, क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही। वे बीरबार को विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी



हिसार में कृषि शिक्षा मेले में विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. कांबोज। झूला विवि

महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। शिक्षा मेले में 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे

की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी कई समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में कई प्रकार की चुनौतियां बढ़ रही हैं। इनके निवारण के लिए नई तकनीक विकसित करनी होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टीआर भूमि	१ - ९ - २३	१	१ - ३

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सठकारी क्षेत्र में भी भविष्य के लिए अपार संभावनाएँ : प्रो. काम्बोज

हिसार। किसानों की सामाजिक व अर्थिक स्थिति को समझते हुए आशुविक कृषि तकनीक विकासित करना समय की भाँति है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व सदय ऊर्जा के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। व्यापक कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सठकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवरने के लिए अपार संभावनाएँ हैं। ये निवार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अ.स. काम्बोज ने व्यक्त किए। ते विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समावार में



दीप प्रज्ञवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते कुलपति प्रो. डॉ. अ.स. काम्बोज।

आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में कुछतांत्रिय के रूप में उपस्थित हुए थे।

यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि निगमितालय और राष्ट्रीय उच्चार कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यतांत्रिय प्रो. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेले ने विभिन्न रसूलों से आम 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनावें के प्रेरित किया। इस अवसर पर स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता य आईडीपी के प्रमारी डॉ. केडी शर्मा, आईडीपी के बोडल अधिकारी डॉ. सोमशंकर, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. धर्मकें पाहुंजा, डॉ. गौड आदि उपस्थित थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	31.08.2023	--	--

हृषि में स्कूली विद्यार्थियों के लिए कृषि शिक्षा मेला का आयोजन

कृषि क्षेत्र में भविष्य संवारने के लिए अपार संभावनाएँ : प्रो. काम्होज

पांच बजे न्यूज

हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकासित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व का समझते हुए व म्बांस्टर्न के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को कारियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरूपजगत के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य का संवारन के लिए अपार संभावनाएँ हैं। ये विचार जीवीय चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलदीप श्री वी.आर. काम्होज ने व्यक्त किया। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी मात्राविद्यालय के सभापाल में अध्यार्थित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मूल्यांकित के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मात्राविद्यालय और राष्ट्रीय उत्कर्ष कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित



किया गया था।

गुरुदीपिंथ प्रो. वी.आर. काम्होज ने कृषि शिक्षा मेले में विभिन्न स्कूलों से आगे 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्ष के विद्यार्थियों का संबोधित करते कृषि शिक्षा को कारियर के रूप में अपनाने के प्रोत्तर किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में अनेक उत्कार वीं तूनीतियों वह होते हैं, जिनके निवारण के लिए नई तकनीक

व नवाचार के महायोग से उत्कृष्ट किसी किसी विकासित करना, कम जल में फसलों की अधिक पैदावार प्राप्त करना, आधुनिक तकनीक द्वारा खेड़ प्रसंकरण कर अब व यांत्रिकों को छोड़ देन से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेवर को बचाना जैसे मुख्य मुद्रे शामिल हैं। कृषि प्रौद्योगिकी के धंधे में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की

जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि दक्षिण प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा विद्युतों को स्वास्थ्यान्वयन सुख करने में नदद करने के लिए एसी-विजनस इन्यूवेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उच्चमानीता की देखिंग भी दे रहा है। उन्होंने स्वतंत्र विद्यार्थियों से आङ्गुष्ठ किया कि वे

कृषि विषय को अपने कारियर के रूप में अपनाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में म्हापित डॉ. मॉल्लेसन कृषि विज्ञान संसाधनात्मक कार्यवाचन गया, जिसमें उन्हें कृषि से संबंधित उत्कृष्ट तकनीकें, नवाचार, उपकरणों के बारे में बताया गया।

ग्रामकोत्तर शिक्षा के अधिकारी व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केशी शर्मा ने उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में गिलने वाली विभिन्न स्कूलोंशियप व पैदलशियप के बारे में जानकारीयों दी। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एम्से पाहुजन ने सभी का धन्यवाद जापित किया, जबकि मंदिर का संचालन डॉ. भूषण ने किया। इस अवसर पर अर्जुकोपाल के नोडल अधिकारी डॉ. संमित्र राजेश विश्वविद्यालय में जुड़े महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशकांगण, विभागाध्यक्ष, विभागिक व विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

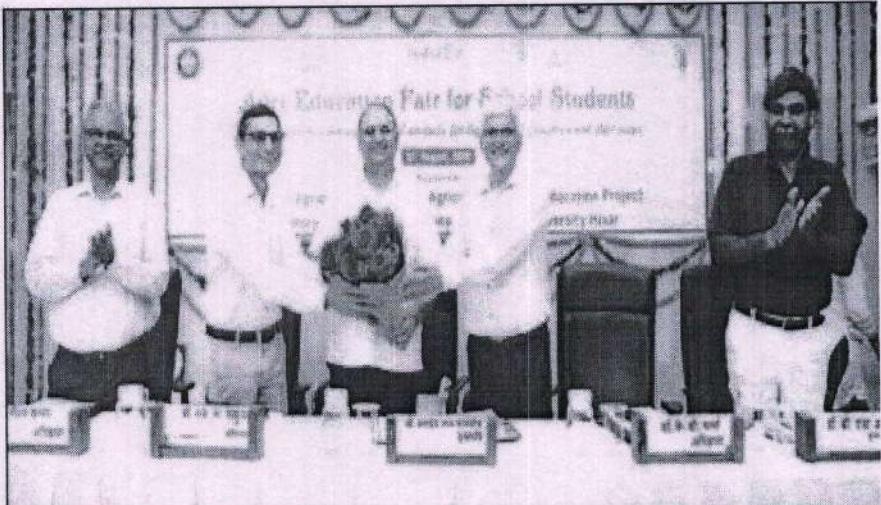


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	31.08.2023	--	--

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य संवारने के लिए अपार संभावनाएँ : प्रो. बी. आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार, 31 अगस्त। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकासित करना समय की मोहर है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं स्वचि के जनसूचर कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वदेशीगांव के साथ-साथ संगठित व महाकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अशार सभावनाएँ हैं। ये विचार दौधरी चरण मिंग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृतपीड़ित प्रो. बी.आर. काम्पोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागां में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्पोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षों के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सकार प्राप्ति पर जलने रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनव्य को अब व पशुओं को चारों को उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश को प्रगति को बनाए रखने में आहम योगदान है। लेकिन वर्तमान समय में जलवाया परिवर्तन जैसी अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में अनेक प्रकार की चुनौतियां यह रही हैं, जिनके निवारण के लिए नई तकनीक व नवाचार के सहयोग से ऊत किसी विकासित करना, बायोफोटोफटोहाइड्रिक्सिम में विकासित करना, बम जल में फसलों की अधिक पैदावार प्राप्त करना, आधुनिक तकनीक द्वारा सुख प्रसंस्करण कर अब व सजिज्यों को खराब होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेकर कोई बचाना जैसे मुख्य मुद्रा शामिल है। कृतपीड़ित ने कृषि क्षेत्र में विश्वविद्यालय को उपलब्धियों भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि हर्विं प्रैटेस के





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	31.08.2023	--	--

अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में बढ़ रही चुनौतियाँ : प्रो. काम्बोज

नम-छोर न्यूज ॥ 31 अगस्त
हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं स्वच के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को कारिंवर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भवित्व को संवारने के लिए अपार सभावनाएँ हैं। वे विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यतात्त्विक के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व



पशुओं को चारों की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। लेकिन बत्तेमान समय में जलवायद परिवर्तन जैसी अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में अनेक प्रकार की चुनौतियाँ बढ़ रही हैं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण भी करवाया गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. भूरेंद्र ने किया। इस अवसर पर आईटीपी के नोडल अधिकारी डॉ. सोमबीर आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	31.08.2023	--	--

सहकारी क्षेत्र में भी अपार संभावनाएँ : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं रूचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएँ हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा



दीप प्रज्ञालित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज।

परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रो. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें

सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आईडीपी के प्रभागी डॉ. केढ़ी शर्मा ने विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व फैलांशिप के बारे में जानकारियां दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्तु	1-9-23	1	3

प्रशिक्षण

1 से 7 सितंबर तक मेड एवं बकरी पालन पर प्रशिक्षण
 • कहाँ- सायना नेहवाल, कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान, एचएयू

15 से 18 सितंबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण
 • कहाँ- सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान, एचएयू

20 से 22 सितंबर तक सब्जियों की संरक्षित खेती और फल एवं सब्जी प्रशिक्षण विषय पर प्रशिक्षण
 • कहाँ- सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान, हरियाणा

25 से 27 सितंबर तक मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण
 • कहाँ- सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान, हरियाणा

कृषि विश्वविद्यालय